तेरी याद | by Sanjay-Deep

क्या बतलाऊँ कितना मुझे सताती है तेरी याद कन्हैया बड़ा रुलाती है हर लम्हा आकर मुझको तड़पाती है तेरी याद कन्हैया बड़ा रुलाती है

तेरी यादों में ही खोया रहता हूँ बिन तेरे मोहन मैं रोता रहता हूँ बैठ के तन्हाई में मोहन केवल तेरे बारे में ही सोचता रहता हूँ सोचते सोचते आँख मेरी भर आती है तेरी याद कन्हैया बड़ा रुलाती है

गोकुल वृन्दावन में भी मैं घूम लिया मथुरा की गलियों में तुझको ढूंढ लिया तेरी कोई खबर कहीं ना मिल पाई हर आने जाने वाले से पूछ लिया तेरी तलाश मुझे दर दर भटकाती है तेरी याद कन्हैया बड़ा रुलाती है

ढूंढते ढूंढते तुझको नैन मेरे हारे एक दफा खुद आकर मिल जाओ प्यारे शर्मा तेरी प्रीत में मोहन पागल है नैनो से अश्क़ों के बहते हैं धारे मेरे तन से जान निकल कर जाती है तेरी याद कन्हैया बड़ा रुलाती है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%a6-by-sanjay-deep/